



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 29 दिसम्बर, 2003/8 पौष, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

उद्योग विभाग

अधिसूचना

शिमला 171002, 19 दिसम्बर, 2003

संख्या उद्योग-II(एफ) 6-31/2001.—जिला सिरमौर में खनिज के खनन में अव्यवस्थित व अत्यधिक वृद्धि पर रोक लगाने के उद्देश्य से सरकार ने, खनिज रियायत नियम, 1960 के नियम 58 के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या उद्योग (छ) 7-25/86, दिनांक 8-12-1986 द्वारा जिला सिरमौर के समस्त क्षेत्र (खनन पट्टा/पूर्वोक्षण अनुज्ञप्ति हेतु पहले से मंजूर क्षेत्र के सिवाय) के खनिजों का दोहन सरकार द्वारा करने हेतु दिनांक 5-12-1986 आरक्षित कर दिया है।

भू-आकृति विज्ञान और क्षेत्र की भूमि प्रयोग तरीके/पटन, आस पास के क्षेत्रों में भू-वैज्ञानिक विरचना और संरचना, भू-भण्डार की गुणवत्ता और मात्रा को प्रमाणित करने हेतु विस्तृत अध्ययन करना अपेक्षित था, जिसे क्षेत्र से खनिज निकालने/हटाने के पश्चात् उपयोग में लाया जा सकता है।

मैसर्ज विर्क एसोशिएट्स ने दो अलग क्षेत्रों (i) जिला सिरमौर, तहसील शिलाई के मौजा दियाण्डों में स्थित खसरा संख्या 742/1, तादादी 23-03 बीघा क्षेत्र में समाविष्ट भूमि तथा (ii) जिला सिरमौर, तहसील रेणुका के मौजा मैना गडेल में स्थित खसरा संख्या 1373/1142, 1401/1185, 1372/1142, 1400/1185 और 1276, तादादी 72-10 बीघा क्षेत्र में समाविष्ट भूमि में खनिज गलेना (लैंड ग्राउंड) के लिए पूर्वक्षेत्र अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु आवेदन किया है।

खनिज गलेना, भूमि के छोटे अलाभकारी पैचिज और पाकेट्स में विद्यमान है जो ऋतु प्रभाव से उत्पन्न होते हैं। इन अलाभकर भण्डारों की वास्तविक स्थिति का ज्ञान नहीं है। यदि गलेना के छोटे और अलाभकर पाकेट्स का दोहन नहीं किया जाता है तो कच्चे खनिज की नदियों में बह जाने की सम्भावना है जिससे नदियों का पानी भी विषाक्त हो सकता है।

यह पाया गया है कि यदि खनिज गलेना हेतु मैसर्ज विर्क एसोशिएट्स के हित में, आवेदन किए गए क्षेत्रों के लिए पूर्वक्षेत्र अनुज्ञप्ति दी जाती है तो यह गलेना के इन छोटे अलग-अलग भण्डारों के बारे में सूचना एकत्रित करने में सरकार को सहायक होगा और यदि यह भण्डार निकल जाते हैं तो यह न केवल स्थानीय लोगों को रोजगार उत्पन्न कराने में सहायक होगा अपितु इससे सरकारी राजकोष के लिए राजस्व सृजित होगा। यदि पूर्वक्षेत्र अनुज्ञप्ति के दौरान, इस नए खनिज (ग्राउंड) के भण्डारों की उपलब्धता इस क्षेत्र में हो जाती है तो इससे क्षेत्र में खनिज दोहन का एक आनुकूलिक मार्ग खुल जाएगा। गलेना (लैंड ग्राउंड) के संग्रहण में व्यापक स्तर पर कोई भी खनन नहीं होगा। अतः इससे क्षेत्र की पारिस्थितिकी को कोई हानि नहीं होगी।

और उपरोक्त के दृष्टिगत राज्य सरकार ने, अधिसूचना संख्या उद्योग (छः) 7-25/86, तारीख 8-12-1986 के उपबन्धों के शिथिलीकरण में मैसर्ज विर्क एसोशिएट्स के हित में क्रमशः (i) जिला सिरमौर तहसील शिलाई, मौजा दियाण्डों में स्थित खसरा संख्या 742/1, तादादी 23-03 बीघा और (ii) जिला सिरमौर, तहसील रेणुका, मौजा मैना गडेल में स्थित खसरा संख्या 1373/1142, 1401/1185, 1372/1142, 1400/1185 और 1276, तादादी 72-10 बीघा क्षेत्र में खनिज गलेना (लैंड ग्राउंड) हेतु दो पूर्वक्षेत्र अनुज्ञप्तियां देने का विनिश्चय किया है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, खनिज सलाहकार परिषद् की दिनांक 30-8-2000 की छवीसवी बैठक के कार्यवृत्तों के साथ पठित खनिज रियायत नियम, 1960 के नियम 59 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला सिरमौर, तहसील शिलाई, मौजा दियाण्डों में स्थित क्षेत्र, खसरा संख्या 742/1, तादादी 23-03 बीघा और जिला सिरमौर, तहसील रेणुका, मौजा मैना गडेल में स्थित क्षेत्र, खसरा संख्या 1373/1142, 1401/1185, 1372/1142, 1400/1185 और 1276, तादादी 72-10 बीघा, को अधिसूचना संख्या उद्योग (छः) 7-25/86, तारीख 8-12-1986 के कार्यक्षेत्र से बाहर लाने के लिए, खनिज गलेना (लैंड ग्राउंड) हेतु आगे पूर्वक्षेत्र अनुज्ञप्ति देने हेतु अनारक्षित/डिनोटिफाई करने का प्रस्ताव करते हैं। और यदि पूर्वक्षेत्र खनिज भण्डार स्थापित हो जाते हैं, तो मैसर्ज विर्क एसोशिएट्स के हित में खनन पट्टा देने हेतु मामले पर विचार किया जाएगा।

कोई भी हितवद्ध व्यक्ति जिसे उपरोक्त के सम्बन्ध में कोई आक्षेप/सुझाव देना हो तो वह उसे/उन्हे इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर निदेशक, उद्योग हिमाचल प्रदेश, शिमला-171001 को भेज सकेगा।

आदेश द्वारा,
हस्ता/-

अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं सचिव उद्योग,
हिमाचल प्रदेश सरकार।

[Authoritative English text of this Govt. Notification No. Udyog-II (F) 6-31/2001 dated 19-12-2003 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

INDUSTRIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th December, 2003

No. Ind. II (F) 6-31/2001.—Whereas to check the haphazard and excessive growth of mining of minerals in District Sirmour, the State Government has reserved entire area comprising in District Sirmour of Himachal Pradesh (except the area already granted for Mining Lease/Prospecting Licence) for exploitation by the Government w. e. f. 5-12-1986 vide Notification No. Udyog (Chh) 7-25/86 dated 8-12-1986, issued under rule-58 of the Mineral Concession Rules, 1960.

And whereas detailed studies were required to be undertaken for proving the deposits for the quality and quantity, Geological formation and structure in surrounding areas, physiography and the land use pattern of the area, which can be put to use after mineral is removed from the area.

And whereas M/s Virk Associates has applied for two separate areas (i) land comprising in Khasra No. 742/1, measuring 23-03 Bighas, situated in Mauza Diando, Tehsil Shillai, District Sirmour and (ii) land comprising in Khasra No. 1373/1142, 1401/1185, 1372/1142, 1400/1185, and 1276 measuring 72-10 Bighas, situated in Mauza Maina Ghadel, Tehsil Renuka, District Sirmour, for the grant of Prospecting Licence for mineral Galena (Lead Ore).

And whereas Mineral Galena exists in small uneconomic patches and pockets which are generated due to weathering. Factual position of these small uneconomic deposits is not known. If small and economic Galena pockets are not exploited, the ore is likely to flow down the rivers and is also likely to contribute to toxicity of the river waters.

And whereas it is felt that if prospecting licence for mineral Galena is granted in favour of M/s Virk Associates for the areas applied for, it would help State Government to gather information on these small isolated Galena deposits and if these are proved, it will not only generate employment to the local people but also generate revenue to the State ex-chequer. Availability of this new ore in the area, if proved during prospecting licence, shall also open an alternate avenue of mineral extraction in the area. In the collection of Galena (Lead ore) no large scale mining is involved. Hence it will not cause any harm to the ecology of the area.

And whereas in view of the above the State Government has decided to grant two Prospecting Licences for mineral Galena (Lead Ore) in favour of M/s Virk Associates over an area (i) situated in Mauza Diando, Tehsil Shillai, District Sirmour, comprising in Khasra No. 742/1, measuring 23-03 Bighas and (ii) situated in Mauza Maina Ghadel, Tehsil Renuka, District Sirmour, comprising in Khasra Nos. 1373/1142, 1401/1185, 1372/1142, 1400/1185 and 1276, measuring 72-10 Bighas, respectively, in relaxation of the provisions of the Notification No. Udyog (Chh.) 7-25/86, dated 8-12-1986.

Now, thereof, in exercise of the powers conferred under rule 59 of the Mineral Concession Rules, 1960 read with minutes of 26th meeting of the Mineral Advisory Council dated 30-8-2000, the Governor, Himachal Pradesh, proposes to de-reserve/denotify the areas situated in Mauza Diando, Tehsil Shillai, District Sirmour, comprising in Khasra No. 742/1, measuring 23-03 Bighas and area situated in Mauza Maina Ghadel, Tehsil Renuka, District Sirmour,

comprising in Khasra Nos. 1373/1142, 1401/1185, 1372/1142, 1400/1185, and 1276, measuring 72-10 Bighas to bring the same out of the purview of Notification No. Udyog (Chh.)-7-25/86, dated 8-12-1986 for further grant of Prospecting Licence for mineral Galena (Lead Ore) and if during prospecting mineral deposits are proved, the case will be considered for grant of Mining Lease in favour of M/s Virk Associates.

Any interested person who has any objection(s)/suggestion(s) in relation to above may send the same to the Director of Industries, Himachal Pradesh, Shimla-171001 within a period of 30 days from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

By order,

Sd/-

A. C. S.-cum-Secretary.